श्री. शांतिलालजी मुथ्था
संस्थापक, BJS

भारतीय जैन संघटना ई बुलेटीन 2020

Edition 1, 5th April 2020

BJS भारतीय जैन संघटना

संपादक की कलम से

प्रिय स्नेहीजन,

भयानक त्रासदी के दौर से समस्त विश्व लगभग गत 3 माह से गुजर रहा है. कोरोना वायरस की मार हम सब झेलने को विवश हैं. प्रकृति के आगे मानव इतना बौना या पंगु कभी नहीं रहा जितना कि वह आज दिखाई पड़ रहा है. आज पशु और पक्षी आज़ाद हैं और हम घर में कैद. सर्व शक्तिमान मानव ने कभी कल्पना ही नहीं की होगी कि ऐसा समय भी आ सकता है जब उसके पास लाचारी दिखाने के अतिरिक्त कुछ शेष नहीं रह जाएगा.

कहा जाता है समय से बड़ा शिक्षक इस दुनिया में और कोई नहीं है. समस्त विश्व में बसी स्थापित मानव सभ्यताएं इस त्रासदी से सबक अवश्य लेंगी ताकि बड़ी संख्या में मानव विनाश का भविष्य में पुर्नरावृत्तन न हो.

दुनिया के अनेक देशों के मध्य तनाव, युद्ध की सी स्थितियां, आतंकवाद के कारण प्रतिदिन प्राण गंवाते निर्दोष प्राणी, षड्यंतत्रों के मायाजाल, घृणा और वैमनस्य, हिंसा का बढ़ता तांडव, पर्यावरण के साथ खिलवाड़, आज की दुनिया का यही चित्र है जो पिछले कुछ दशकों में देखने के हम अभ्यस्त हो चुके हैं. कोरोना महाप्रलय कितना विनाश करेगा यह तो भविष्य जे गर्त में छिपा है किन्तु यह निश्चित है कि जिसका उदय हुआ है उसका अंत होगा ही. आज नहीं तो कल कोरोना समाप्त हो ही जायेगा किन्तु समस्त विश्व को यह चिंतन करना ही होगा कि आने वाले कल का विश्व कैसा हो? वही ढाक के तीन पात या फिर कुछ नवीन या हमारे स्वप्नों का वह विश्व जिसमें हमारी आगामी पीढियां सुकून से उन्मुक्त वातावरण में श्वास ले सके. इसके लिए कुछ ठोस और रचनात्मक प्रयास वैश्विक स्तर पर करने होंगे. वर्ष 2025, 2030, 2040 तथा 2050 का विश्व कैसा हो या हमें कैसा बनाना है, इस विषय पर समस्त विश्व को एक मंच पर लाने के भागीरथ प्रयासों का शुभारंभ भारत से होना चाहिए.

निरंजन जुंवा जैन
बी जे एस राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य

प्रिय स्वजन,

कोरोना वायरस के कहर के कारण सम्पूर्ण देश लॉक डाउन में है. सभी कुछ थम गया है, परिवहन, उत्पादन आदि के साथ हमारा जीवन भी. हम सभी देशवासी चाहे किसी भी धर्म, जाति या संस्कृति से हों कोरोना महाप्रलय से लड़ने के लिये कोरोना की रीढ़ की हड्डी पर प्रहार अपने घरों में रहकर सोशियल डिस्टनसिंग के जरिये कर रहे हैं.

घर पर रह कर समय व्यतीत करना अत्यंत ही दुष्कर होता है विशेष उनके लिए जो दूसरों की चिंता करते हैं और समाज सेवा में रत रहते हैं. BJS परिवार भी इसी श्रेणी में आता है. हमने यह निश्चय किया कि देश के समस्त BJS परिवार हेतु BJS Family Summit नामक वेब सीरीज का शुभारंभ किया जाए जिसमें आपके रुचि के विषय पर प्रतिदिन एक विशेषज्ञ आपसे संवाद करेंगे. यह क्रम 1 अप्रेल, 2020 से प्रारंभ हो चुका है. हम आपको इस वेब सीरीज पर सहर्ष आमंत्रित करते हैं.

आज और कल के विषय की अग्रिम सूचना आपको प्रेषित की जाएगी ताकि सिर्फ आप ही नहीं आपके परिवारजन भी इस प्रयास से लाभान्वित हो सके.

आशा है आपको हमारा प्रयास रुचिकर लगेगा. आपके अनुभवों से हमें अवगत करायें ताकि हम इस कार्यक्रम की उपयोगिता को अधिक बेहतर बना सके.

राजेन्द्र लुंकर
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

BJS FAMILY SUMMIT Live Face book Series

April 1 DAY 1

BJS Business Development मिशन के राष्ट्रीय संयोजक **श्री राकेश जैन प्रखर** ने सफल व्यवसाय के मन्त्रों को दर्शकों के साथ साझा किए. आपने **BJS Business Development mission** के उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि लोगों के व्यवसाय विकास में हमारा सहायक बनना. वर्तमान व्यवसाय के चित्र पर चर्चा करते हुए उसमें परिवर्तन लाने हेतु आपने सन्देश दिया. कोरोना प्रलय के कारण व्यवसाय की परिस्थतियाँ ज्यादा खराब हो सकती है और व्यवसाय को पटरी पर लाने में कम से कम 4-6 महीने लग सकते हैं. इतिहास गवाह है कि वैश्विक महामारियों के पश्चात मानव अधिक शक्तिशाली बनकर उभरा है. व्यवसाइयों ने चुनौतियों को सदैव स्वीकार किया है.

विशेषज्ञों का मानना है कि चीन और भारत के सम्मुख व्यवसाय विकास के बेहतर अवसर होंगे. आज चीन से आयात करने के स्थान पर देश में उत्पादन को बड़े स्तर पर बढ़ाने की प्रबल सम्भावनाएँ पैदा करनी हैं. Pharma, food एवं Health industry में अवसर खोजने की आवश्यकता है. मिलने वाले अवसरों को खो देने का समय नही है. Online learning, use of digital platform, internet or mobile banking पर हमें focus करना होगा. हमारी युवा पीढी जो technology से सुसज्ज है, व्यवसाय को नए आयाम देने में सक्षम है. पारंपरिक रूप से गहनों के रूप में लाकर में बंद पूंजी का प्रयोग व्यवसाय विकास हेतु समय की मांग है. हमने व्यवसाय के तरीकों में बदलाव नहीं लाया तो हम पिछड़ जायेंगे. आपने कुछ गुरु मंत्र दिए जो निम्न हैं :

1. Identify your business in present scenario
2. Identify USP (unique selling point)
3. Identify market's/customer's needs
4. Find solution of pain points of customer
5. Focus more in purchases
6. Keep positive attitude
7. More you serve more you get
8. Focus & see what your competitors cannot do
9. Convert your business on auto mode
10. Money Management to grow better
11. Increase competitive strength
12. Change your mind set

श्री राकेश जैन प्रखर, इंदौर का सम्पूर्ण समनोधन सुनने व देखने के लिए तथा गुरु मंत्रों को विस्तार से समझने हेतु नीचे दिए लिंक पर क्लिक करें. आप उन्हें संपर्क कर आपके प्रश्नों का उत्तर व सलाह या मार्गदर्शन प्राप्त करें.

BJS Bharatiya Jain Sanghatana
FAMILY SUMMIT

on Facebook LIVE every day
LIVE @ 4:00 - 5:00pm
1st April to 15th April 2020

April Sunday 5
आज दिनांक 5 अप्रेल, 2020 4 से 5 सांय
श्री संजय जैन, कोलकता - विषय : **Problem is opportunity**
Fb Link : **bit.ly/BJSPune**

Scan to Join